त्रासदी में बिछड़ों की तलाश बड़ी चुनौती

अब डीएनए टेस्ट ही बना अपनों का आखिरी सहारा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

काठमांडू, 5 सितम्बर. नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ ने हजारों परिवारों को अपनों से दूर कर दिया. अब शवों की पहचान बड़ी चुनौती बन गई है. बाढ़ के पानी में बहकर आए शव कई जगह क्षत-विक्षत, सड़ चुके या अधूरे मिले हैं. ऐसे में चेहरा, कपड़े या सामान देखकर पहचान करना मुश्किल हो रहा है.

विदित हो कि लंबे समय तक पानी, कीचड़ और मलबे में रहने से शवों की पहचान वाली विशेषताएं भी खत्म हो सकती हैं. इसी वजह से डीएनए टेस्ट पर सबसे ज्यादा भरोसा किया जा रहा है. बाढ़ में अब तक 1,300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है. वहीं करीब 5,000 लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं. पुलिस ने अब तक 2,272 डीएनए सैंपल जुटाए हैं. इनमें 1,260 शवों से और 1,012 परिजनों से लिए गए हैं.

डीएनए सैंपल लेने और पहचान की दूसरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद 1,030 शव दफनाए जा चुके हैं. इनमें 222 महिलाएं, 355 पुरुष और 453 ऐसे शव हैं, जिनका लिंग तय नहीं किया जा सका. हालांकि अब तक सिर्फ 96 शवों की पहचान के बाद उन्हें परिवारों को सौंपा गया है. बाकी शवों की पहचान की प्रक्रिया जारी है. डीएनए जांच में शव के नमूने की तुलना उसके करीबी खून के रिश्तेदारों के नमूने से की जाती है.

नेपाल पुलिस ने लापता लोगों के परिजनों की परेशानी कम करने के लिए नुवाकोट के बिदुर में डीएनए सैंपल कलेक्शन सेंटर खोला है. इससे परिवारों को सैंपल देने के लिए काठमांडू तक जाने की जरूरत नहीं होगी.

राज कुमार के परिवार को डीएनए टेस्ट से क्या उम्मीद?

रासुवा जिले के स्याफ्रुबेसी में रहने वाले 33 वर्षीय राज कुमार, उनकी 30 वर्षीय पत्नी श्रुति और चार साल के बेटे सिराज का बाढ़ के बाद से पता नहीं है. परिवार ने नदी के किनारे चितवन और नवलपुर तक उनकी तलाश की. जिंदा मिलने की उम्मीद खत्म होने के बाद परिवार शव खोजने लगा. बाढ़ के पांच दिन बाद राज कुमार के भतीजे अविनाश को नवलपुर में एक इंसानी हाथ मिला. फोटो देखकर परिवार को लगा कि वह राज कुमार के हाथ जैसा है. नमूने को काठमांडू की नेशनल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया है.

11वें दिन 2 और जिंदा मिले

काठमांडू. नेपाल में भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद भी हजारों लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच शनिवार को राहत और बचाव दलों ने अलग-अलग अभियानों में एक चीनी नागरिक और एक नेपाली महिला को जिंदा बचा लिया. नुवाकोट में 64 साल की महिला का रेस्क्यू किया गया. उनके घर का निचला हिस्सा मोटी कीचड़ की परत में पूरी तरह दब गया था और वह उसी में फंस गई थीं. उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया है. रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला. वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था.

सुभाष चंद्रा समेत 3 कंपनियों के निदेशकों पर एफआईआर दर्ज

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की शिकायत पर सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली, 5 सितम्बर. 22 हजार करोड़ रूपये के देनदारी साढ़े छह करोड़ में खत्म करने को लेकर चर्चा में आए एसेल ग्रुप के मालिक सुभाष चंद्रा के खिलाफ सीबीआई का शिकंजा कस गया है.

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की शिकायत पर सीबीआई ने चंद्रा और एसेल ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है. एनसीएलटी के फैसले के बाद दर्ज की गई शिकायत में सुभाष चंद्रा और एसेल ग्रुप की तीन कंपनियों, उनके निदेशकों पर 1322 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है.

एफआईआर में अज्ञात सरकारी अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है.

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस द्वारा की गई शिकायत में सुभाष चंद्रा के विदेश भागने की भी आशंका जताई गई है. इसमें एफआईआर दर्ज करने की जरूरत बताते हुए कहा गया है कि आरोपित कई बार सार्वजनिक रूप से भारत छोड़ने की मंशा जता चुका है. इसीलिए सीबीआई जल्द से जल्द पूरे मामले में लोन की रकम के असली लाभार्थी और उसमें शामिल आरोपितों के खिलाफ सबूत जुटाकर कार्रवाई करे. एफआईआर सीबीआई के दिल्ली मुख्यालय में स्थित बैंकिंग एंड सिक्यूरिटी फ्राड डिविजन में दर्ज किया गया है. 27 अगस्त को एनसीएलटी के फैसले के चार दिन बाद 31 अगस्त को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शिकायत की और सीबीआई ने उसी दिन एफआईआर दर्ज कर ली. माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में सुभाष चंद्रा समेत सभी आरोपियों से जल्द ही पूछताछ शुरू की जाएगी.

केरलम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दलित विधायक को पीटा

भाजपा ने साधा निशाना, 16 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 5 सितम्बर. महिलाओं को सम्मान और भागीदारी के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है.

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस शासित चार राज्यों में केवल तीन महिला मंत्रियों का हवाला देकर कांग्रेस को घेरा. केरलम में कांग्रेस के ही दलित विधायक व पूर्व सांसद राम्या हरिदास के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मारपीट को लेकर भाजपा की मीडिया विभाग के सह प्रभारी प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर हमला किया. मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के दो दिन बाद हल्द्वानी में मंच के शुद्धिकरण को दलितों के अपमान से जोड़कर एफआइआर की मांग कर रही कांग्रेस अपने ही कार्यकर्ताओं व नेताओं द्वारा दलित विधायक के साथ मारपीट के मामले में घिर गई है. राम्या हरिदास ने मारपीट के मामले में कांग्रेस के 16 कार्यकर्ताओं के खिलाफ दलित उत्पीड़न कानून की धाराओं के तहत केस दर्ज कराया है.

केतन के मर्डर में चेतन का दोस्त भी शामिल

तीसरे हत्यारे की एंट्री से मामले में आया नया मोड़

नवभारत न्यूज नेटवर्क

पुणे, 5 सितम्बर. पुणे के लोहगढ़ किले में रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की सनसनीखेज हत्या के मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है. पुलिस ने अब इस मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर चुकी है और अब इस मामले में गिरफ्तारी रितेश हिंगे की हुई है, जो चेतन चौधरी का दोस्त है. रितेश भी इस मर्डर की साजिश में शामिल था. 18 जून को जब केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ लोहगढ़ किले पर ट्रेकिंग करने गए थे, तो आरोपियों ने केतन को ऊंचाई से नीचे धक्का देकर मार डाला था.

जांच में यह बात भी सामने आई है कि चेतन और सिया पहले केतन के हाथ-पैर तोड़कर उसे रास्ते से हटाना चाहते थे, फिर घटना को अंजाम देने के बाद चेतन ने रितेश को फोन करके इसकी जानकारी दी थी.

शुरुआत में पुलिस इसे महज एक हादसा मान रही थी और एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था. लेकिन केतन की बहन को इस कहानी पर शक था. अंतिम संस्कार के चार दिन बाद जब सिया गोयल शोक व्यक्त करने केतन के घर आई, तो बहन ने उससे ट्रेकिंग के बारे में कई सवाल किए. सिया के जवाबों में झोल और उसकी असहजता ने बहन के शक को और पक्का कर दिया, जिसके बाद परिवार पुलिस के पास पहुंचा और नए सिरे से जांच की मांग की. केतन और सिया के रिश्ते के बीच में आ रहे थे, इसलिए सिया और उसके प्रेमी चेतन ने मिलकर उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रची थी.

मस्जिद तोड़ने पर सहारनपुर में बवाल

सहारनपुर. पश्चिमी यूपी के सहारनपुर जिले की कलेक्ट्रेट परिसर में एक मस्जिद पर हुए बुलडोजर एक्शन को लेकर भारी बवाल मचा है. पुलिस की मौजूदगी के बाद लोग नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. मौके पर जा रहीं सपा सांसद इकरा हसन को हाउस अरेस्ट किए जाने की बात भी सामने आई है. कुछ महीनों बाद यूपी में विधानसभा चुनाव होना है, मस्जिद गिराने की कार्रवाई को लेकर सियासी माहौल गरमाने लगा है. सपा के साथ कांग्रेस ने भी प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं. सांसद इमरान मसूद ने भी संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कदम बताया है.

स्टालिन के एक और मंत्री पर विजय सरकार ने कसा शिकंजा

संपत्ति की जांच में पूरा परिवार फंसा

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई, 5 सितम्बर. डीवीएसी के अधिकारियों ने तमिलनाडु भर में पूर्व डीएमके मंत्री केएन नेहरू से जुड़े परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया.

जिसकी पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आलोचना करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया. तिरुचिरापल्ली में, जहां नेहरू का घर है और उनके भाई की संपत्तियां हैं, वहां तलाशी ली जा रही थी. नेहरू के घर के बाहर उनके बहुत सारे समर्थक और स्कूल शिक्षा के पूर्व मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी जमा हुए. नेहरू थोड़ी देर के लिए बाहर आए और उनसे पार्टी ऑफिस जाने की अपील की. डीवीएसी चेन्नई समेत कई जगहों पर तलाशी ले रहा था. तलाशी नगर प्रशासन और जल आपूर्ति मंत्री के तौर पर नेहरू के कार्यकाल में 2,538 लोगों की भर्ती में कथित गड़बड़ियों से जुड़ी थी. नेहरू वर्तमान में तिरुचिरापल्ली पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं. तमिलनाडु विधानसभा में डीएमके के डिप्टी फ्लोर नेता हैं. वे मध्य तमिलनाडु में भी डीएमके के एक प्रमुख नेता हैं. इससे पहले डीवीएसी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7(सी) और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत डीएमके के प्रधान सचिव नेहरू, उनके भाइयों और कई अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी. इन तलाशी अभियानों की कड़ी निंदा करते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार चल रहे उच्च न्यायालय के मामले और विधानसभा सत्र के बीच 'पूरी तरह से राजनीतिक रूप से प्रेरित ध्यान भटकाने वाली रणनीति' का सहारा ले रही है. इन कार्रवाइयों को भारतीय लोकतंत्र का काला पक्ष करार देते हुए, डीएमके अध्यक्ष ने सरकार के कदमों को नियमित राजनीतिक चालबाजी बताकर खारिज कर दिया.

देश के थर्मल प्लांट्स में कोयले की भारी कमी

- प्लांट्स में सिर्फ 9 दिन का स्टॉक बचा
- 50 संयंत्रों में स्थिति खराब, उत्पादन ठप

नई दिल्ली, 5 सितम्बर. बिजली की भारी मांग और मानसून के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों के चलते देशभर के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का भंडार तय मानक के आधे से भी कम रह गया है.

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर तक देश के 50 पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल यानी गंभीर रूप से कम स्तर पर पहुंच गया है.

लगभग 224 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले इन संयंत्रों के पास बुधवार तक 28.2 मिलियन टन कोयला उपलब्ध था, जो कि 58.7 मिलियन टन की निर्धारित आवश्यकता का महज 48 प्रतिशत है. 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर यह उपलब्ध स्टॉक लगभग 9 दिनों की जरूरत के लिए ही पर्याप्त है, जबकि सामान्य स्थिति में कम से कम 19 दिनों का बैकअप होना चाहिए. जिन संयंत्रों के पास निर्धारित मानक का 25 प्रतिशत से भी कम कोयला बचता है.

गंभीर कमी का सामना कर रहे इन 50 संयंत्रों में से 45 संयंत्र घरेलू कोयले, 4 संयंत्र आयातित और 1 संयंत्र कोयला धुलाई के अवशेष पर निर्भर हैं. सभी संवेदनशील संयंत्रों की एक अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा रोजाना निगरानी की जा रही है और उन्हें लगातार ईंधन भेजा जा रहा है. मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीईए के नियमों के तहत किसी प्लांट को क्रिटिकल घोषित करना एक नियमित निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है. इसका मतलब केवल यह है कि उन पर पैनी नजर रखी जाए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए. इन संयंत्रों में कोयले की सप्लाई खत्म नहीं हो रही है.

वाजिब टैरिफ पर ही होगी ट्रेड डील

केंद्रीय मंत्री गोयल ने यूएस समझौते पर किया स्पष्ट

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 5 सितंबर. भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ा अपडेट दिया.

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और अब पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है. भारत की ओर से अमेरिकी बाजार में अपने निर्यात के लिए अनुकूल और तरजीही शुल्क व्यवस्था को लेकर अभी अमेरिका की ओर से

आवश्यक ढांचे का इंतजार किया जा रहा है. किसी भी व्यापार समझौते की सफलता के लिए बाजार में तरजीही पहुंच महत्वपूर्ण होती है. भारत चाहता है कि उसके उत्पादों पर अमेरिका में लगाया जाने वाला शुल्क उन देशों के उत्पादों पर लागू शुल्क से कम हो, जो भारतीय निर्यातकों के सीधे प्रतिस्पर्धी हैं. इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी हुई है और बातचीत लगातार जारी है.

डील के लिए जल्दबाजी नहीं

भारत किसी कृत्रिम समयसीमा को पूरा करने के लिए जल्दबाजी में समझौता करने के पक्ष में नहीं है. सरकार ने बातचीत के दौरान घरेलू क्षेत्रों के हितों को प्राथमिकता दिया. किसानों, मछुआरों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों और युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर ही अंतिम फैसला किया गया. अमेरिकी टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच अब निगाहें इस बात पर हैं कि भारत को निर्यात के लिए किस तरह की तरजीही शुल्क व्यवस्था मिलती है. यही व्यवस्था समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभा सकती है.

सिंधु का पानी पहुंचा लद्दाख पाकिस्तान में मचा हाहाकार

- पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उठाया था मुद्दा
- उश्शी चेक डेम की तर्ज पर 36 डैम बनेंगे

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

लेह, 5 सितम्बर. सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है.

पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा. सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी. पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था. इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है. एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा उठाया था. लेह जिले के उश्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा. इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे. इस ढांचे में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है. केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है. लद्दाख के किसान इस डैम के पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे. रणनीतिक तौर पर भी यह निर्णायक कदम माना जा रहा है.

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

उश्शी के चेक डैम की तर्ज लद्दाख प्रशासन सिंधु नदी और दूसरे जल स्रोतों पर इसी तरह के ढांचे विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है. लद्दाख प्रशासन ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को 36 चेक डैम का प्रस्ताव भेजा है. इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है.

बिहार शिक्षक भर्ती में टीईटी का फर्जीवाड़ा

11 साल पुराने प्रमाण-पत्र से हुआ बड़ा खुलासा, दो पर एफआईआर

नवभारत न्यूज़ नेटवर्क

पटना, 5 सितम्बर. बेगूसराय के सरकारी स्कूल में शिक्षक की नौकरी हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जी टीईटी प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है.

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच में एक शिक्षक के प्रमाणपत्र का रोल नंबर दूसरे अभ्यर्थी के नाम पर दर्ज मिला. जांच के बाद बखरी थाने में दो शिक्षकों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. कार्रवाई की खबर सामने आते ही शिक्षक महकमे में हड़कंप मच गया है. मामला बखरी प्रखंड के मोहनपुर पंचायत के दो नवसृजित प्राथमिक विद्यालयों से जुड़ा है. प्राथमिकी में कारीलाल सिंह विद्यालय के शिक्षक अपरजीत कुमार और साधुदेव सदा टोल विद्यालय के शिक्षक राजीव रंजन पांडेय को नामजद किया गया है.

संबंधित रोल नंबर पर बुलबुल कुमारी, पिता विश्वनाथ धारी का रिकॉर्ड दर्ज था. उनका वर्ष 2011 का परिणाम 55 अंक के साथ अनुत्तीर्ण बताया गया. यानी जांच में एक ऐसा दस्तावेज सामने आया, जिसमें शिक्षक के नाम पर 84 अंक और उत्तीर्ण दर्ज था, जबकि उसी रोल नंबर का वास्तविक रिकॉर्ड दूसरे अभ्यर्थी के नाम पर था और वह अभ्यर्थी परीक्षा में असफल थी.

दस्तावेज में सामने आई चौंकाने वाली बात

निगरानी विभाग की जांच में अपरजीत कुमार के नियोजन से जुड़े वर्ष 2011 के बीईटीईटी अंकपत्र को सत्यापन के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना भेजा गया था. दस्तावेज में रोल नंबर 1903112228, सीरियल नंबर 011321 और 84 अंक के साथ उत्तीर्ण होने का उल्लेख था, लेकिन बोर्ड से मिले सत्यापन प्रतिवेदन में चौंकाने वाली विसंगति सामने आई. उक्त रोल नंबर अपरजीत कुमार का नहीं, बल्कि बुलबुल कुमारी नाम की अभ्यर्थी का निकला.

आज का इतिहास

1776 – ग्वाडेलोप द्वीप में तूफान से छह हजार लोगों की मौत

1869 – पेंसिल्वेनिया के अवोंदेल में एक खदान में आग लगने से 110 लोग मरे.

1905– अटलांटा जीवन बीमा कंपनी की शुरुआत.

1914– फ्रांस एवं जर्मनी के बीच मार्ने का युद्ध प्रारम्भ.

1924 – इटली के तानाशाह बेनितो मुसोलिनी की हत्या का प्रयास विफल.

1939 – दक्षिण अफ्रीका ने नाजी जर्मनी पर युद्ध की घोषणा की.

1948 – जुलियाना नीदरलैंड की महारानी बनीं.

1952– कनाडा टी.वी. की मॉन्ट्रियल में शुरुआत.

निष्ठा | कोल्हापुर के घने जंगलों के बीच मिथारी रोज जाते हैं स्कूल

दो छात्राओं को पढ़ाने 5 किमी का सफर

नवभारत न्यूज

मुंबई, 5 सितम्बर. महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले से एक टीचर की शिक्षा के प्रति जुनून और बच्चों का भविष्य संवारने के जज्बे की मिसाल सामने आई है. जहां गगनबावाड़ा तालुका के जंगली इलाके में स्थित गांव कवलटेक धनगरवाड़ा के जिला परिषद स्कूल में कोई भी शिक्षक पढ़ाने जाने को तैयार नहीं था.

लेकिन जीवन मिथारी नामक टीचर नहीं चाहते थे कि यहां के बच्चे पढ़ाई छोड़ें. ऐसे में जीवन मिथारी ने स्वेच्छा से इस स्कूल में पढ़ाने की जिम्मेदारी ली.

13 साल से लगातार समर्पण

शिक्षक रोजाना 28 किलोमीटर की यात्रा और फिर घने जंगल, जोंकों, फिसलन तथा जंगली जानवरों के खतरों के बीच 5 किलोमीटर पैदल चढ़ाई करके केवल दो छोटी बहनों को पढ़ाने पहुंचते हैं. पिछले 13 सालों से वह लगातार इस कठिन कार्य को निभा रहे हैं. शिक्षक जीवन मिथारी अपने घर 'काले गांव' से प्रतिदिन 28 किलोमीटर की यात्रा करते हैं. फिर जंगल के प्रवेश द्वार पर गाड़ी खड़ी कर 5 किलोमीटर घने जंगल से होते हुए पैदल स्कूल पहुंचते हैं.

इस 5 किलोमीटर के कठिन रास्ते में फिसलन, जोंक और तेंदुए, भालू, गौर (जंगली भैंसा) व सांप जैसे खतरनाक जंगली जानवरों का डर बना रहता है. दुर्घटनाओं से बचाव के लिए वे हेलमेट पहनकर ही जंगल के दुर्गम रास्तों की चढ़ाई करते हैं और जानवरों को अलर्ट करने के लिए रास्ते में गाते हुए या आवाजें निकालते हुए चलते हैं.

विद्यालय की परिस्थिति

वह जिस गांव में बच्चों को पढ़ाने जाते हैं, वहां सिर्फ तीन ही घर हैं. यह गांव बिजली और बुनियादी सुविधाओं से वंचित है. इस स्कूल में सिर्फ दो छात्राएं पढ़ाई करती हैं, एक 8 साल की स्वरा और दूसरी उसकी 5 साल की छोटी बहन रेशमा. इस गांव में कभी 70 परिवार रहते थे, लेकिन उनमें से अधिकांश रोजमर्रा की कठिनाइयों से बचने के लिए कोल्हापुर शहर चले गए.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पोंड़ी, तहसील व जिला मैहर, म.प्र. स्थित भूमि खसरा नम्बर 1924 / 1 एवं 1925 में से अंश रकबा 0.058 हे. (6300 वर्ग फुट) के विक्रय का करार भूमिस्वामी अरुण कुमार व संजय कुमार दोनों पुत्र हरिहर प्रसाद चतुर्वेदी एवं प्रशान्त पुत्र स्व. राजेश चतुर्वेदी निवासी ग्राम पोंडी, तहसील व जिला मैहर म.प्र. द्वारा मनीष कुमार पुत्र श्री रामसभा तिवारी निवासी ग्राम खेरबाकला, तहसील व जिला मैहर, म.प्र. के पक्ष में किया गया है तथा उक्त सम्बन्ध में उभय पक्ष के मध्य दिनाँक 28.11.2025 को लिखित विक्रय अनुबंध निष्पादित हुआ है। उक्त अनुबंध में उक्त भूमि का विवरण तथा विक्रय की शर्तें लिखी हुई हैं। अतः आम जनता, सम्भावित क्रेतागण एवं अन्य समस्त व्यक्तियों को आगाह किया जाता है कि अनुबंधशुदा उक्त भूमि के सम्बन्ध में किसी प्रकार का क्रय-विक्रय, दान, पट्टा, अनुज्ञप्ति, बंधक, हस्तान्तरण अथवा कोई भी तृतीय पक्ष किसी भी प्रकार का हित सृजित न करे।

इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के पश्चात् यदि कोई व्यक्ति उक्त भूमि के सम्बन्ध में कोई लेन-देन करता है अथवा तृतीय पक्ष अपना अधिकार सृजित करता है, तो उससे उत्पन्न विवाद एवं दावा के कानूनी परिणामों के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा। मुझ मनीष कुमार तिवारी के पास सभी वैधानिक अधिकार एवं उपचार सुरक्षित हैं।

दिनाँक 04.09.2026

सूचनाकर्ता
मनीष कुमार तिवारी (अधिवक्ता)
ग्राम खेरबाकला जिला मैहर, म.प्र.
मो.नं. 9827675702

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ज्योति कोरी (Jyoti Kori) पुत्री श्री रामकुशल बुनकर जन्मतिथि दिनांक 02.09.2008 माता का नाम श्रीमती शकुन्तला बुनकर पता- ग्राम सोनरा, पो. मढ़ेपुर तह. हुजूर, थाना चोरहटा, जिला-रीवा म.प्र. आधार कार्ड में दर्ज है, जिसे शपथपत्र के माध्यम से परिवर्तित कर सही नाम विद्या बुनकर (VIDYA BUNKAR) जन्मतिथि दिनांक 02.09.2008 पिता का नाम श्री रामकुशल बुनकर माता का नाम श्रीमती शकुन्तला बुनकर कर लिया है। अतः आज दिनांक 04.09.2026 से मेरा नाम विद्या बुनकर (VIDYA BUNKAR) जन्मतिथि दिनांक 02.09.2008 पिता का नाम श्री रामकुशल बुनकर माता का नाम श्रीमती शकुन्तला होगा तथा भविष्य में मेरे सभी शासकीय / अर्द्धशासकीय, बैंकिंग एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम विद्या बुनकर (VIDYA BUNKAR) जन्मतिथि दिनांक 02.09.2008 पिता का नाम श्री रामकुशल बुनकर माता का नाम श्रीमती शकुन्तला माना जाय। उक्त नाम परिवर्तन में अगर किसी को आपत्ति है, तो 15 दिवस के अंदर आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

पुराना नाम- ज्योति कोरी (Jyoti Kori)
नया नाम-विद्या बुनकर (VIDYA BUNKAR)
स्थान - रीवा दिनांक -03.09.2026

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला-सीधी (म.प्र.)

निविदा विज्ञप्ति

सर्व साधारण एवं ट्रेवलिंग एजेन्सियों को सूचित सूचित किया जाता है कि विद्यालयों के निरीक्षण एवं शासकीय कार्य हेतु बोलेरो होना चाहिए वाहन चालक सहित आवश्यकता है। निविदा दिनांक 08.09.2026 तक आमंत्रित है। शर्ते कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला-सीधी (म.प्र.)

कार्यालय जनपद पंचायत चितरंगी, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

चितरंगी, दिनांक 02.09.2026

चतुर्थ-विज्ञप्ति

क्रमांक/2151/लेखा/2026 जनपद पंचायत चितरंगी के अधिपत्य में निम्नांकित नावघाट की नीलामी जरिये सार्वजनिक खुलीबोली द्वारा दिनांक 09 सितम्बर 2026 को समय-11:00 बजे दिन से जनपद सभागार चितरंगी में आयोजित है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित समय व स्थान में उपस्थित होकर निर्धारित अमानत की राशि जमा कर खुली बोली में भाग ले सकते हैं। उच्चतम बोलीदार की नीलामी स्वीकार की जायेगी। नीलामी संबंधी शर्तें कार्यालयीन दिवस व समय पर कार्यालय सूचना पटल पर अवलोकनीय है।

नावघाट:- गोपद नदी

क्र.	नावघट	क्र.	नावघाट	क्र.	नावघाट
1	कोरसर	2	कुसेड़ा	3	बारी
4	नौगई द्वितीय	5	लौआर		

नावघाट:- सोन नदी

क्र.	नावघट	क्र.	नावघाट	क्र.	नावघाट	क्र	नावघाट
1	देवरा	2	खैरा	3	माची	4	लोहदा
5	क्योंटली	6	गवई	7	खैरहनी	8	चितावल
9	गोड़गवॉ	10	राजावर	11	बीछी	12	हरमा
13	अगरहवॉ	14	बंजरिया				

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत चितरंगी
जिला सिंगरौली (म.प्र.)